प्रेस विज्ञप्ति

एशियन रक्ताधान विज्ञान के सम्मेलन में डा0 अवधेश अग्रवाल ने अपनी सहभागिता की।

एशियन रक्ताधान विज्ञान के वार्षिक सम्मेलन में गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक के प्रभारी एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्साधिकारी को सम्मिलित होने का आमंत्रण प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन गुरु ग्राम में किसी पांच सितारा होटल में आयोजित की गई थी। सम्मेलन का मुख्य विषय था रोगियों को सुरक्षित रक्त प्रदान करना। डा0 अग्रवाल ने इस सम्मेलन से लौटने के पश्चात् बताया की सुरक्षित रक्त ही रक्तविज्ञान का सार है। रक्त को समुचित रुप से सुरक्षित चढाने योग्य उपलब्धता एक चुनौती है जो भिन्न प्रकार की जांचों द्वारा यह सुनिश्चित करने का प्रयास अनवरत किया जा रहा है, डा0 अग्रवाल ने बताया कि विभिन्न शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण इसी विषय पर आधारित था, पूर्व के अपेक्षा अब वर्तमान में लगभग पूर्ण से थोडा ही कम सुरक्षित रक्त उपलब्ध हो रहा है। नेट (NAT) नामक जांच भारतवर्ष के लगभग 35,00 ब्लड बैंकों मे से केवल 100 ब्लड बैंकों में किया जा रहा है। सबसे आधुनिक तथा सुरक्षित जांच आज की तिथि में यही माना जाता है, परन्तु यह खर्चिला है इसीलिए केवल कार्पोरेट तथा कुछ सरकारी संस्थाओं में ही यह उपलब्ध है। गुरु गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में इस जांच को आरम्भ करने का मुहिम डा0 अग्रवाल द्वारा आरम्भ किया गया है जो सम्भवतः कुछ समय के पश्चात् उपलब्ध हो सकता है। डा0 अग्रवाल ने आगे बताया की इस गोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता करने का भी सुअवसर प्राप्त हुआ। गोरखनाथ ब्लड बैंक को इस मंच से वृहद रुप से अपने कार्यों एवं उपलब्धियों को ख्यातिलब्ध अंतर्राष्ट्रिय वैज्ञानिकों के बीच प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर भी प्राप्त हुआ। डा0 अग्रवाल ने पुनः बताया की अपनी जिज्ञासा एवं ज्ञान से गोष्ठी में प्रश्नोत्तिरी के अंतराल उनके सक्रिय भूमिका को भी सराहा गया। इस वैज्ञानिक गोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से भारी संख्या में वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

डा0 अग्रवाल ने इन सबका श्रेय गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक के अध्यक्ष श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी महाराज को दिया।